Series **E1GFH/C**

Set No. 3

प्रश्न-पत्र कोड **29/C/3**

अनुक्रमांक

परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

हिन्दी (ऐच्छिक)

HINDI (Elective)

निर्धारित समय : 3 घण्टे | *अधिकतम अंक : 80*

नोट

*(I) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न–पत्र में मुद्रित पृष्ठ **15** हैं ।*

(II) प्रश्न–पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न–पत्र कोड को परीक्षार्थी उत्तर–पुस्तिका के मुख–पृष्ठ पर लिखें ।

*(III) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न–पत्र में **14** प्रश्न हैं ।*

*(IV) **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर–पुस्तिका में प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।***

(V) इस प्रश्न–पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न–पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न–पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर–पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख़्ती से अनुपालन कीजिए :

*(i) इस प्रश्न-पत्र में प्रश्नों की संख्या **14** है । **सभी** प्रश्न **अनिवार्य** हैं ।*

*(ii) इस प्रश्न-पत्र में **दो** खण्ड हैं — **खण्ड अ** और **ब** ।*

*(iii) **खण्ड अ** में 48 बहुविकल्पी/वस्तुपरक उप-प्रश्न पूछे गए हैं । दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए कुल 40 उप-प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।*

*(iv) **खण्ड ब** में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं ।*

(v) प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए लिखिए ।

(vi) यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए ।

खण्ड अ

(बहुविकल्पी/वस्तुपरक प्रश्न) **40 अंक**

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *10×1=10*

नदियों को शुद्ध सदानीरा बनाने में अनेक छोटे-छोटे जलाशयों व तालाबों का योगदान होता है। पानी इन जलाशयों से जमीन के नीचे जाता है। अगर जलाशय ज्यादा साफ होते हैं तो उनमें पानी भी ज्यादा रहता है। जलाशयों से भूजल का पुनर्भरण होता है। ताल, पाल, झाल ही धरती का पेट भरते आए हैं। पहले हमारे भूजल भंडार भरे हुए थे। जब जल भंडार भरे रहते हैं, तो उस राष्ट्र की मुद्रा का भी मूल्य बना रहता है। इसलिए नदियों की अविरलता, निर्मलता बचाकर रखना ही हमारे जीवन को ठीक करेगा। यह समझना चाहिए कि नदियों का उद्धार सभ्यताओं का पुनर्जीवन है। नदियाँ हमारी संस्कृति में आनंद का स्रोत रही हैं। यदि नदियाँ सूखती हैं, तो हमारी खुशियाँ भी घटती हैं।

यदि हम जल बचाने के काम में नहीं लगेंगे, तो धरती पर बाढ़, सुखाड़ से स्थिति और बिगड़ जाएगी। आज विश्व में प्राकृतिक आपदाएँ बढ़ रही हैं और ये सब वर्षा की कमी या अधिकता के चलते नहीं है। जो जलवायु परिवर्तन हुआ है, उसके चलते हमें यह पता ही नहीं चलता कि कब बारिश होगी और कब नहीं ? फ़सल चक्र भी वर्षा चक्र से कट गया है और यह कटना घातक है। जल संकट बढ़ गया है, तो आज किसान को बहुत मेहनत से अनाज उगाना पड़ रहा है।

जब हम धरती के गर्भ का जल लूट लेते हैं तो धरती का पेट खाली हो जाता है। जब धरती के गर्भ में पानी नहीं होता, तब हम बेपानी होकर तरसते हैं। अच्छा समाज वह होता है, जो बुरे दिन आने से पहले ही सँभल जाता है।

भारत में भी प्राचीन काल में राजा पानी के लिए जमीन देते थे। प्रजा अपना पसीना लगाती थी। राजा पानी का काम करने वालों को खाना देते थे। जो लोग पानी के काम में नहीं लगते थे, उन्हें प्रेरित किया जाता था। जल व्यवस्था सामुदायिक, लेकिन विकेंद्रित थी। देश में फिर से पारंपरिक जल व्यवस्था को जीवित करना पड़ेगा। देश के शुभ की चिंता करनी है तो सभी को मिलकर प्रयास करना होगा। हमें दूसरों से नकल करने की भी जरूरत नहीं है। हम अपनी विद्या पर लौट आएँ, तो जगत को जल का उपयोग सीखा देंगे।

(i) इस गद्यांश का वर्ण्य विषय है :

(a) सदानीरा नदियाँ

(b) जलवायु परिवर्तन

(c) बढ़ता जल संकट

(d) प्रदूषित नदियाँ

(ii) नदियों और सभ्यता के बीच के रिश्ते के विषय में निम्नलिखित में से क्या असत्य है ?

(a) दोनों एक दूसरे के अस्तित्व पर आश्रित हैं।

(b) नदियों के किनारे ही सभ्यता का विकास हुआ है।

(c) नदियाँ न रहने पर सभ्यता का अंत निश्चित है।

(d) विश्व की प्राचीन सभ्यता नदियों के किनारे ही पनपी।

(iii) नदियों को सतत प्रवाहमयी बनाने में योगदान है :

(a) मनुष्य के प्रयासों का
(b) वर्षा की मात्रा का

(c) ग्लेशियरों का
(d) जलाशयों व तालाबों का

(iv) 'नदियों की अविरलता, निर्मलता बचाकर रखना ही हमारे जीवन को ठीक करेगा।' पंक्ति के संदर्भ में 'अविरलता' का सटीक अर्थ हो सकता है :

(a) चंचलता
(b) सघनता

(c) निरंतरता
(d) सम्पूर्णता

(v) गद्यांश के आधार पर राष्ट्र की मुद्रा का मूल्य बना रहता है :

(a) राष्ट्र की औद्योगिक प्रगति होने पर

(b) राष्ट्र के नागरिकों के परिश्रमी होने पर

(c) राष्ट्र की वैज्ञानिक प्रगति होने पर

(d) राष्ट्र के पास पर्याप्त जल संसाधन होने पर

(vi) दिनोंदिन बढ़ती प्राकृतिक आपदाओं का कारण है :

(a) वर्षा की कमी
(b) वर्षा की अनियमितता

(c) जलवायु परिवर्तन
(d) प्राकृतिक संसाधनों का दोहन

(vii) गद्यांश के आधार पर अच्छे समाज की क्या पहचान है ?

(a) वहाँ के लोग परिश्रमी होते हैं।

(b) वहाँ प्रति व्यक्ति आय अधिक होती है।

(c) समस्या आने से पूर्व निवारण की योजना बनाते हैं।

(d) समस्या आने के बाद निवारण की योजना बनाते हैं।

(viii) प्राचीन भारत में पानी की क्या व्यवस्था थी ?

(a) राजा जलाशयों के लिए जमीन दान देते थे।

(b) प्रजा जलाशयों के निर्माण में योगदान देती थी।

(c) अधिकाधिक कुएँ और बावड़ियाँ बनाए जाते थे।

(d) राजा और प्रजा मिलकर जल का प्रबंध करते थे।

(ix) 'हम अपनी विद्या पर लौट आएँ, तो जगत को जल का उपयोग सीखा देंगे।' — पंक्ति के संदर्भ में 'अपनी विद्या' से अभिप्राय है :

(a) जल संचयन की विद्या

(b) जल संरक्षण की विद्या

(c) (a) और (b) दोनों में से कोई नहीं

(d) (a) और (b) दोनों

(x) निम्नलिखित कथन कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए, उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए :

कथन (A) : नदियों का उद्धार सभ्यताओं का पुनर्जीवन है।

कारण (R) : धरती पर बाढ़, सुखाड़ की स्थिति बिगड़ रही है।

(a) कथन (A) ग़लत है, लेकिन कारण (R) सही है।

(b) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों ग़लत हैं।

(c) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(d) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) उसकी ग़लत व्याख्या करता है।

2. नीचे दो अपठित काव्यांश दिए गए हैं, उन्हें ध्यानपूर्वक पढ़कर किसी ***एक*** काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *8×1=8*

काव्यांश – 1

(क) हुँकारों से महलों की नींव उखड़ जाती,
साँसों के बल से ताज हवा में उड़ता है,
जनता की रोके राह, समय में ताव कहाँ ?
वह जिधर चाहती, काल उधर ही मुड़ता है।

सबसे विराट जनतंत्र जगत का आ पहुँचा,
तैंतीस कोटि-हित सिंहासन तय करो
अभिषेक आज राजा का नहीं, प्रजा का है,
तैंतीस कोटि जनता के सिर पर मुकुट धरो।

आरती लिए तू किसे ढूँढ़ता है मूरख,
मंदिरों, राजप्रासादों में, तहखानों में ?
देवता कहीं सड़कों पर गिट्टी तोड़ रहे,
देवता मिलेंगे खेतों में, खलिहानों में।

फावड़े और हल राजदण्ड बनने को हैं,
धूसरता सोने से शृंगार सजाती है;
दो राह, समय के रथ का घर्घर-नाद सुनो,
सिंहासन खाली करो कि जनता आती है।

(i) पद्यांश में कवि किसकी हुँकार की बात कर रहा है ?
   (a) जनता की क्रोध भरी हुँकार
   (b) राजा की क्रोध पूर्ण हुँकार
   (c) शत्रु की हुँकार
   (d) सरकार की हुँकार

(ii) 'ताज हवा में उड़ता है' का तात्पर्य है :
   (a) शत्रु का आक्रमण करना
   (b) राजा की मृत्यु
   (c) राजतंत्र की समाप्ति
   (d) देश की स्वतंत्रता पर खतरा

(iii) कवि के अनुसार समय में किस शक्ति का अभाव है ?
   (a) काल को रोकने की शक्ति
   (b) जनता को रोकने की शक्ति
   (c) शत्रु को रोकने की शक्ति
   (d) परिवर्तन की शक्ति

(iv) महलों की नींद कब उड़ती है ?

(a) जब सीमा का प्रहरी कमजोर हो (b) जब शत्रु शक्तिशाली हो

(c) जब पड़ोसी देश शत्रु हो (d) जब प्रजा सजग हो जाती है

(v) कवि ने जगत का सबसे विराट जनतंत्र किसे कहा है ?

(a) शत्रु की ताकत (b) जनता की शक्ति

(c) भारत देश (d) सेना की शक्ति

(vi) 'देवता कहीं सड़कों पर गिट्टी तोड़ रहे' पंक्ति के संदर्भ में 'गिट्टी' शब्द का अर्थ है :

(a) मिट्टी (b) महल

(c) रोड़ी (d) ईंट

(vii) पद्यांश के अनुसार देवता कहाँ निवास करते हैं ?

(a) स्वर्ग में (b) मज़दूरों और श्रमिकों में

(c) महलों में (d) विचारों में

(viii) 'फावड़े और हल राजदण्ड बनने को हैं' — पंक्ति का आशय है :

(a) इनका स्वरूप बदलने वाला है

(b) इनका स्थान मशीनें लेने वाली है

(c) शोषित वर्ग राजमहल में खेती करने वाला है

(d) शोषित वर्ग सत्ताधारी वर्ग बनने वाला है

अथवा

काव्यांश – 2

(ख) सागर के उर पर नाच-नाच, करती हैं लहरें मधुर गान।
जगती के मन को खींच खींच,
निज छवि के रस में सींच सींच
जल कन्याएँ भोली अनजान,
सागर के उर पर नाच-नाच, करती हैं लहरें मधुर गान।

प्रातः समीर से हो अधीर,
छूकर पल-पल उल्लसित तीर
कुसुमावलि-सी पुलकित महान,
सागर के उर पर नाच-नाच, करती हैं लहरें मधुर गान।

संध्या से पा कर रुचिर रंग,
करती-सी शत सुर-चाप भंग
हिलती नव तरू-दल के समान,
सागर के उर पर नाच-नाच, करती हैं लहरें मधुर गान।

करतल गत कर नभ की विभूति,
पा कर शशि से सुषमानुभूति
तारावलि-सी मृदु दीप्तिमान,
सागर के उर पर नाच-नाच, करती हैं लहरें मधुर गान।

तन पर शोभित नीला दुकूल,
हैं छिपे हृदय में भाव फूल
आकर्षित करती हुई ध्यान,
सागर के उर पर नाच-नाच, करती हैं लहरें मधुर गान।

(i) 'जल कन्याएँ' किन्हें कहा गया है ?
- (a) जलपरियों को
- (b) मछलियों को
- (c) सागर की लहरों को
- (d) मोती की लड़ियों को

(ii) जल कन्याएँ किसका स्पर्श पा अधीर हो उठी ?
- (a) सूर्य किरणों की गर्मी का
- (b) प्रातःकालीन हवा का
- (c) समुद्र के किनारों का
- (d) समुद्र के जीव जंतुओं का

(iii) काव्यांश में लहरों की तुलना किससे ***नहीं*** की है ?
- (a) फूलों की पंक्ति से
- (b) तारों की पंक्ति से
- (c) मोती की माला से
- (d) पेड़ों के नए-नए पत्तों से

(iv) निम्नलिखित कथन कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए, उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए :

कथन (A) : संध्या के समय सागर की लहरें सैकड़ों इंद्रधनुष की आभा को भी फीका कर देती हैं।

कारण (R) : लहरें सागर के वक्ष स्थल पर नाचने-गाने लगती हैं।

(a) कथन (A) ग़लत है लेकिन कारण (R) सही है।

(b) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों ग़लत हैं।

(c) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(d) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी ग़लत व्याख्या करता है।

(v) प्रातःकालीन हवा का लहरों पर क्या प्रभाव पड़ता है ?

(a) लहरें स्वच्छ प्रतीत होती हैं।

(b) शीतल हो जाती हैं।

(c) लहरें चंचल हो जाती हैं।

(d) लहरें भयंकर नाद करने लगती हैं।

(vi) 'तारावलि-सी मृदु दीप्तिमान' में कौन-सा अलंकार है ?

(a) रूपक अलंकार (b) उपमा अलंकार

(c) अनुप्रास अलंकार (d) उत्प्रेक्षा अलंकार

(vii) काव्यांश के आधार पर 'नभ की विभूति' किसे कहा गया है ?

(a) सूर्य और चंद्रमा के सौंदर्य को

(b) चंद्रमा और तारों के सौंदर्य को

(c) चंद्रमा के सौंदर्य को

(d) तारों की चमक को

(viii) रात्रि में लहरों द्वारा धारण किया गया 'नीला दुकूल' है :

(a) नीले रंग के वस्त्र

(b) अंबर का प्रतिबिंब

(c) नीले रंग का दुपट्टा

(d) सागर का वक्ष-स्थल

3. अंतराल के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के लिए सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

(i) लेखक को क्यों लगता है कि मालवा के पर्यावरण पर आधुनिक अपसभ्यता का प्रभाव है ?

(a) आसमान में छाये हुए बादलों को देखकर

(b) मालवा में घट स्थापना की तैयारी देखकर

(c) भारतीय जीवन पद्धति को भुलाता देखकर

(d) पार्वती और कालीसिंध नदियों के बहाव को देखकर

(ii) मालवा की यात्रा के समय लेखक ने क्या देखा ?

(a) नवरात्रि की सुबह पर घट स्थापना

(b) बहुमंजलीय इमारतें

(c) बड़े-बड़े कारखाने

(d) ब्रांडेड वस्तुओं के स्टोर

(iii) बिस्कोहर गाँव में किस फूल के अधिकांश भागों/अंशों का सेवन किया जाता है ?

(a) गुलाब (b) कमल

(c) गेंदा (d) चमेली

(iv) 'रुपये मैंने ही तो कमाए थे, क्या फिर नहीं कमा सकता ?' सूरदास द्वारा कथित यह कथन सूरदास के चरित्र की किस विशेषता को दर्शाता है ?

(a) आत्मविश्वासी (b) आशावादी

(c) हार न मानने वाला (d) धैर्यवान

(v) सूरदास की झोपड़ी प्रेमचंद के किस उपन्यास का अंश है ?

(a) गोदान (b) गबन

(c) रंगभूमि (d) सेवा सदन

4. अभिव्यक्ति और माध्यम पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

(i) 'विभिन्न माध्यमों के लिए लेखन' पाठ के संदर्भ में निम्नलिखित युग्मों में से कौन-सा विकल्प सही सुमेलित है ?

(a) सिर्फ इंटरनेट पर उपलब्ध समाचार-पत्र – प्रभासाक्षी

(b) भारत की पहली वेबसाइट – तहलका डॉटकॉम

(c) रेडियो समाचार की कॉपी – डबल स्पेस में टाइप्ड

(d) नेट साउंड – कृत्रिम आवाज़ें

(ii) धर्म प्रचार की पुस्तकें छापने के लिए छापेखाने का उपयोग किसने किया ?

(a) शैक्षिक संस्थाओं ने (b) मिशनरियों ने

(c) राजनेताओं ने (d) धर्म गुरुओं ने

(iii) वह लेख, जिसमें किसी मुद्दे के प्रति समाचार-पत्र की अपनी राय प्रकट होती है, कहलाता है :

(a) स्तंभ लेखन (b) संपादकीय लेखन

(c) संपादक के नाम पत्र (d) आलेख

(iv) भुगतान के आधार पर अलग-अलग अखबार में काम करने वाले पत्रकार कौन-से पत्रकार कहलाते हैं ?

(a) स्थायी पत्रकार

(b) वेतनभोगी पत्रकार

(c) फ्रीलांसर पत्रकार

(d) अंशकालिक पत्रकार

(v) फ़ीचर लेखन में सामान्यत: किस शैली का प्रयोग किया जाता है ?

(a) उल्टा पिरामिड शैली

(b) कथात्मक शैली

(c) सीधा पिरामिड शैली

(d) काव्यात्मक शैली

5. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *6×1=6*

बहुत दिनान को अवधि आसपास परे,
खरे अरबरनि भरे हैं उठि जान को।
कहि-कहि आवन छबीले मनभावन को,
गहि-गहि राखति ही दै दै सनमान को ॥
झूठी बतियानि की पत्यानि तें उदास ह्वै कै,
अब ना घिरत घन आनंद निदान को।
अधर लगे हैं आनि करि कै पयान प्रान,
चाहत चलन ये सँदेसो लै सुजान को ॥

(i) उपर्युक्त पंक्तियों के आधार पर लिखिए कि कवि संसार त्याग करने से पूर्व क्या चाहते हैं :

(a) प्रिय को संदेश भेजना चाहते हैं।

(b) उपवन में घूमना चाहते हैं।

(c) प्रिय के दर्शन करना चाहते हैं।

(d) अपने सम्मान को बनाए रखना चाहते हैं।

(ii) 'झूठी बतियानि की पत्यानि तें उदास ह्वै कै' — पंक्ति के संदर्भ में 'पत्यानि' शब्द का अर्थ है :

(a) विश्वास करना

(b) सोच-विचार करना

(c) पान करना

(d) गमन करना

(iii) 'अधर लगे हैं आनि करि कै पयान प्रान' पंक्ति के भाव को स्पष्ट करने के लिए उचित मुहावरा है :

(a) प्राणों की बाजी लगाना

(b) प्राण पखेरू उड़ना

(c) साँस अधर में लटकना

(d) प्राण कंठ तक आना

(iv) उपर्युक्त पंक्तियों के आधार पर निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/कौन-से कथन सही है/हैं ?

I. संसार से विदा होने से पूर्व कवि सुजान के आगमन का संदेश प्राप्त करना चाहता है।

II. प्रिय के आगमन के संदेश से उसे अत्यधिक घबराहट हो रही है।

III. निरंतर प्रतीक्षारत कवि का मन उदासी से घिर गया है।

(a) केवल I

(b) II और III

(c) केवल II

(d) I और III

(v) प्रेयसी के वियोग में कवि के प्राणों की क्या स्थिति है ?

(a) पुन: जीवन से भर गए हैं

(b) प्राण निकलने वाले हैं

(c) मस्ती से भर गए हैं

(d) खुशी से फूले नहीं समा रहे

(vi) प्रेयसी की झूठी बातों से कवि का मन :

(a) उत्साहित हो जाता है

(b) आनंदित नहीं होता

(c) आनंद से घिर जाता है

(d) दुखी हो जाता है

6. निम्नलिखित पठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *6×1=6*

भीड़ लड़के ने दिल्ली में भी देखी थी, बल्कि रोज़ देखता था। दफ़्तर जाती भीड़, खरीद फ़रोख्त करती भीड़, तमाशा देखती भीड़, सड़क क्रॉस करती भीड़। लेकिन इस भीड़ का अंदाज़ निराला था। इस भीड़ में एकसूत्रता थी। न यहाँ जाति का महत्त्व था, न भाषा का, महत्त्व उद्देश्य का था और वह सबका समान था, जीवन के प्रति कल्याण की कामना। इस भीड़ में दौड़ नहीं थी, अतिक्रमण नहीं था और भी अनोखी बात यह थी कि कोई भी स्नानार्थी किसी सैलानी आनंद में डुबकी नहीं लगा रहा था। बल्कि स्नान से ज़्यादा समय ध्यान ले रहा था।

(i) उपर्युक्त गद्यांश में किस लड़के की बात की गई है ?

(a) देवदास की
(b) स्वयं लेखक की
(c) संभव की
(d) गंगा किनारे खड़े तीर्थयात्री की

(ii) यहाँ किस स्थान की भीड़ की बात की जा रही है ?

(a) बनारस की
(b) हरिद्वार की
(c) काशी की
(d) वृंदावन की

(iii) दिल्ली की भीड़ और तीर्थ स्थल की भीड़ में अंतर था :

(a) गंतव्य स्थल का
(b) जाति और भाषा का
(c) भीड़ और गति का
(d) लोगों की संख्या का

(iv) तीर्थ स्थल की भीड़ का उद्देश्य क्या था ?

(a) गंगा में स्नान करना
(b) ईश्वर की प्रार्थना करना
(c) मंदिरों में ईश्वर दर्शन करना
(d) जीवन के प्रति कल्याण की कामना

(v) भीड़ की विशेषता क्या थी ?

(a) कोई भी झगड़ा नहीं कर रहा था
(b) अलग-अलग जाति के लोग अलग-अलग चल रहे थे
(c) भीड़ में एकसूत्रता थी
(d) भक्तों को पहचानना आसान था

(vi) निम्नलिखित कथन कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए, उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए :

कथन (A) : गंगा में स्नान करते यात्री स्नान से ज्यादा समय ध्यान पर दे रहे थे।

कारण (R) : यात्रियों का उद्देश्य पर्यटन का आनंद प्राप्त करना नहीं, धार्मिक लाभ प्राप्त करना था।

(a) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(b) कथन (A) ग़लत है लेकिन कारण (R) सही है।

(c) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों ग़लत हैं।

(d) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी ग़लत व्याख्या करता है।

खण्ड ब

(वर्णनात्मक प्रश्न) 40 अंक

7. दिए गए निम्नलिखित विषयों में से किसी ***एक*** विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए : *1×5=5*

(क) इंटरनेट छात्रों के लिए वरदान या अभिशाप

(ख) आज की छोटी बचत कल का बड़ा सुख

(ग) मेरे मोहल्ले का पार्क

8. जनसंचार माध्यम और लेखन के आधार पर किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए : *2×3=6*

(क) कविता की रचना का सबसे पहला और महत्त्वपूर्ण उपकरण क्या और क्यों है ?

(ख) ऐसा क्यों कहा जाता है कि नाटककार को रचनाकार के साथ कुशल संपादक होना भी आवश्यक है ?

(ग) कहानीकार के लिए कथानक के साथ-साथ देश काल तथा स्थान को समझना क्यों आवश्यक है ?

9. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए : *2×3=6*

(क) समाचार लेखन के कितने और कौन-कौन-से ककार होते हैं ?

(ख) फ़ीचर लेखन का विषय किस प्रकार का होता है ? एक अच्छे और रोचक फीचर के साथ क्या होना ज़रूरी होता है ?

10. अंतरा के पाठों (काव्य खंड) पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए : *2×2=4*

(क) 'दिशा' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि हर व्यक्ति का अपना यथार्थ होता है।

(ख) 'तोड़ो' कविता के माध्यम से सिद्ध कीजिए कि कवि विध्वंस का नहीं सृजन का अभिलाषी है।

(ग) 'तुलसीदास जी' द्वारा लिखित पाठ्य-पुस्तक के अंशों के आधार पर उनकी भाषा पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

11. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी ***एक*** पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *1×6=6*

(क) राघौ ! एक बार फिरि आवौ ।
ए बर बाजि बिलोकि आपने बहुरो बनहिं सिधावौ ॥
जे पय प्याइ पोखि कर-पंकज वार वार चुचुकारे ।
क्यों जीवहिं, मेरे राम लाडिले ! ते अब निपट बिसारे ॥
भरत सौगुनी सार करत हैं अति प्रिय जानि तिहारे ।
तदपि दिनहिं दिन होत झाँवरे मनहुँ कमल हिममारे ॥
सुनहु पथिक ! जो राम मिलहिं बन कहियो मातु संदेसो ।
तुलसी मोहिं और सबहिन तें इन्हको बड़ो अंदेसो ॥

अथवा

(ख) जो है वह खड़ा है
बिना किसी स्तंभ के
जो नहीं है उसे थामे है
राख और रोशनी के ऊँचे-ऊँचे स्तंभ
आग के स्तंभ
और पानी के स्तंभ
धुएँ के
खुशबू के
आदमी के उठे हुए हाथों के स्तंभ
किसी अलक्षित सूर्य को
देता हुआ अर्घ्य
शताब्दियों से इसी तरह
गंगा के जल में
अपनी एक टाँग पर खड़ा है यह शहर
अपनी दूसरी टाँग से
बिलकुल बेख़बर ।

12. अंतरा के पाठों पर आधारित दिए गए प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए : *2×2=4*

(क) किसान को हाथी ने साझा खेती करने के लिए कैसे मनाया ?

(ख) "किसी ग्रामीण अंचल को कितनी निर्ममता से उजाड़ा जा सकता है, सिंगरौली उसका ज्वलंत उदाहरण है।" 'जहाँ कोई वापसी नहीं' अध्याय के आधार पर इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'दूसरा देवदास' के आधार पर गंगा आरती के दृश्य का वर्णन कीजिए।

13. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *6*

हरगोबिन का मन कलपने लगा – तब गाँव में क्या रह जाएगा ? गाँव की लक्ष्मी ही गाँव छोड़कर जावेगी ! किस मुँह से वह ऐसा संवाद सुनाएगा ? कैसे कहेगा कि बड़ी बहुरिया बथुआ-साग खाकर गुज़ारा कर रही है ? सुनने वाले हरगोबिन के गाँव का नाम लेकर थूकेंगे – कैसा गाँव है, जहाँ लक्ष्मी जैसी बहुरिया दुख भोग रही है।

14. अंतराल के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी ***एक*** प्रश्न का उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए : *1×3=3*

(क) "मेरी तो सलाह है कि रुपये उसे लौटा दो।" जगधर ने भैरों से ऐसा क्यों कहाँ ? 'सूरदास की झोंपड़ी' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।

अथवा

(ख) 'नयी दुनिया' की लाइब्रेरी में उपलब्ध कतरनों के अनुसार हमारे मौसमों का चक्र क्यों बिगड़ रहा है ? 'अपना मालवा-खाऊ-ऊजाड़ू सभ्यता' के आधार पर बताइए।

अत्यंत गोपनीय-केवल आंतरिक एवं सीमित प्रयोग हेतु

सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा, 2023

अंक-योजना

हिंदी (ऐच्छिक)

विषय कोड--002

प्रश्न-पत्र कोड--29/C/1 से 3

सामान्य निर्देश:-

1. आप जानते हैं कि परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्त्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी भूल भी गंभीर समस्या को जन्म दे सकती है, जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा- प्रणाली और अध्यापन-व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को पढ़ और समझ लें।

2. मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं की गोपनीयता, किये गए मूल्यांकन तथा कई अन्य पहलुओं से संबंधित है | इसका किसी भी तरह से सार्वजनिक रूप से लीक होना परीक्षा- प्रणाली के पटरी से उतरने का कारण बन सकता है और लाखों परीक्षार्थियों के जीवन और भविष्य को प्रभावित कर सकता है | इस नीति /दस्तावेज को किसी को भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना IPC के तहत कार्यवाही को आमंत्रित कर सकता है |

3. मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही किया जाना चाहिए, अपनी व्यक्तिगत व्याख्या या किसी अन्य धारणा के अनुसार नहीं। यह अनिवार्य है कि अंक-योजना का अनुपालन पूरी तरह और निष्ठापूर्वक किया जाए। हालाँकि, मूल्यांकन करते समय नवीनतम सूचना और ज्ञान पर आधारित अथवा नवाचार पर आधारित उत्तरों को उनकी सत्यता और उपयुक्तता को परखते हुए पूरे अंक दिए जाएँ।

4. मुख्य परीक्षक प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता के द्वारा पहले दिन जाँची गई उत्तर-पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की जाँच ध्यानपूर्वक करे और आश्वस्त हो कि मूल्यांकन-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया जा रहा है। परीक्षकों को बाकी उत्तर- पुस्तिकाएँ तभी दी जाएँ जब वह आश्वस्त हो कि उनके अंकन में कोई भिन्नता नहीं है।

5. परीक्षक सही उत्तर पर सही का निशान (√) लगाएँ और गलत उत्तर पर गलत का (×) । मूल्यांकन-कर्ता द्वारा ऐसा चिह्न न लगाने से ऐसा समझ में आता है कि उत्तर सही है परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए। परीक्षकों द्वारा यह भूल सर्वाधिक की जाती है।

6. यदि किसी प्रश्न का उपभाग हो तो कृपया प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर दायीं ओर अंक दिए जाएँ। बाद में इन उपभागों के अंकों का योग बायीं ओर के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए। इसका अनुपालन दृढ़तापूर्वक किया जाए।

7. यदि किसी प्रश्न का कोई उपभाग न हो तो बायीं ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए। इसके अनुपालन में भी दृढ़ता बरती जाए।

8. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों उन्हें ही स्वीकार करें/ उन्हीं पर अंक दें।

9. एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो तो उसे अनदेखा करें और उस पर अंक न काटे जाएँ।

10. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने 0 – 80 (उदाहरण 0--80 अंक जैसा कि प्रश्न-पत्र में दिया गया है) का प्रयोग अभीष्ट है अर्थात परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे अंक देने में संकोच न करें।

11. प्रत्येक परीक्षक को पूर्ण कार्य-अवधि में अर्थात 8 घंटे प्रतिदिन अनिवार्य रूप से मूल्यांकन कार्य करना है। (विस्तृत विवरण 'स्पॉट गाइडलाइन' में दिया गया है)

12. यह सुनिश्चित करें कि आप निम्नलिखित प्रकार की त्रुटियाँ न करें जो पिछले वर्षों में की जाती रही हैं-

- उत्तर पुस्तिका में किसी उत्तर या उत्तर के अंश को जाँचे बिना छोड़ देना।
- उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक देना।
- उत्तर में दिए गए अंकों का योग ठीक न होना।
- उत्तर-पुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण पृष्ठ पर सही अंतरण न होना।
- आवरण पृष्ठ पर प्रश्नानुसार योग करने में अशुद्धि।
- योग करने में अंकों और शब्दों में अंतर होना।
- उत्तर पुस्तिकाओं से ऑनलाइन अंकसूची में सही अंतरण न होना।
- कुल अंकों के योग में अशुद्धि।
- उत्तरों पर सही का चिह्न (√) लगाना किंतु अंक न देना।

13. प्रत्येक परीक्षक यह भी सुनिश्चित करेगा कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन किया जाए, शीर्षक पृष्ठ पर की गई प्रविष्टि सही हो तथा कुल अंकों को आंकड़ों और शब्दों में लिखें।

14. उम्मीदवार निर्धारित प्रसंस्करण शुल्क के भुगतान पर अनुरोध कर उत्तर-पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने के हकदार हैं। अतः सभी मुख्य परीक्षकों/ अतिरिक्त मुख्य परीक्षकों/ परीक्षकों/ समन्वयकों को एक बार फिर से याद दिलाया जाता है कि उन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि मूल्यांकन योजना में दिए गए प्रत्येक उत्तर के लिए मूल्य-बिंदुओं के अनुसार मूल्यांकन किया जाए।

अंक योजना

हिंदी (ऐच्छिक)

प्रश्न सं.	29/C/1	29/C/2	29/C/3	मूल्यांकन बिंदु	अंक
				खंड अ **वस्तुपरक प्रश्नों के उत्तर**	
1	1	2	1	(i) (c) बढ़ता जल संकट (ii) (a) दोनों एक दूसरे के अस्तित्व पर आश्रित हैं। (iii) (d) जलाशयों व तालाबों का (iv) (c) निरंतरता (v) (d) राष्ट्र के पास पर्याप्त जल संसाधन होने पर (vi) (d) प्राकृतिक संसाधनों का दोहन (vii) (c) समस्या आने से पूर्व निवारण की योजना बनाते हैं। (viii) (d) राजा और प्रजा मिलकर जल का प्रबंध करते थे। (ix) (d) (a) और (b) दोनों (x) (d) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।	10 x 1 = 10
2	2	1	2	काव्यांश-1 (क) (i) (a) जनता की क्रोध भरी हुंकार (ii) (c) राजतंत्र की समाप्ति (iii) (b) जनता को रोकने की शक्ति (iv) (d) जब प्रजा सजग हो जाती है (v) (c) भारत देश (vi) (c) रोड़ी (vii) (b) मज़दूरों और श्रमिकों में (viii) (d) शोषित वर्ग सत्ताधारी वर्ग बनने वाला है **अथवा** काव्यांश-2 (ख) (i) (c) सागर की लहरों को (ii) (b) प्रातःकालीन हवा का	8 x 1 = 8

				(iii) (c) मोती की माला से (iv) (d) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है। (v) (c) लहरें चंचल हो जाती हैं। (vi) (b) उपमा अलंकार (vii) (b) चंद्रमा और तारों के सौंदर्य को (viii) (b) अंबर का प्रतिबिंब	
3	3	6	4	(i) (a) सिर्फ इंटरनेट पर उपलब्ध समाचार –पत्र ----प्रभासाक्षी (ii) (b) मिशनरियों ने (iii) (b) संपादकीय लेखन (iv) (c) फ्रीलांसर पत्रकार (v) (b) कथात्मक शैली	5 X 1 = 5
4	4	3	5	(i) (c) प्रिय के दर्शन करना चाहते हैं। (ii) (a) विश्वास करना (iii) (c) साँस अधर में लटकना (iv) (d) I और III (v) (b) प्राण निकलने वाले हैं (vi) (d) दुखी हो जाता है	6 X 1 = 6
5	5	4	6	(i) (c) संभव की (ii) (b) हरिद्वार की (iii) (c) भीड़ और गति का (iv) (d) जीवन के प्रति कल्याण की कामना (v) (c) भीड़ मे एकसूत्रता थी (vi) (a) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।	6 X 1 = 6
6	6	5	3	(i) (c) भारतीय जीवन पद्धति को भुलाता देखकर (ii) (a) नवरात्रि की सुबह पर घट स्थापना (iii) (b) कमल (iv) (a) आत्मविश्वासी (v) (c) रंगभूमि	5 X 1 = 5
				खंड ब वर्णनात्मक प्रश्न	
7	7	7	7	किसी ***एक*** शीर्षक पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख : भूमिका : 1 अंक विषयवस्तु : 3 अंक भाषा: 1 अंक	1x5= 5
8				किन्ही ***दो*** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	2 x 3 = 6

	8			(क) • नर्सरी गीतों से • लयात्मक प्रस्तुति द्वारा • अभिनय के साथ सिखाना जब हम विषय वस्तु को परिवेश से जोड़ कर प्रस्तुत करते हैं तब कविता हमें जानी पहचानी तब लगती है। (ख) • पात्र, स्थिति, परिवेश और समय का ध्यान • स्वाभाविकता बनाए रखना • रंगमंचीयता से नाटक मे संपूर्णता (ग) • नाटक के तीन अंक • प्रत्येक अंक की अवधि कम से कम 48 मिनट नाटक का शरीर शब्द को कहा गया है क्योंकि -- • शब्द का अपना अस्तित्व होता है • शब्द का स्वयं का अर्थ होता है • शब्द के बिना नाटक का निर्माण असंभव	
		8		(क) • अच्छी कविता की तुलना शास्त्रीय संगीत से • कविता से नजदीकी बनाने से कविता को बार बार पढ़ने का मन करता है। (ख) • संवाद पात्रों के मनोभावों को व्यक्त करने मे सहायक • संवाद से नाटक की कहानी मे गति • जो घटना या प्रतिक्रिया नाटककार होती हुई नहीं दिखा सकता वह संवादों के माध्यम से दर्शक के सामने लाता है। (ग) • कथानक कहानी का केंद्रीय बिन्दु व संक्षिप्त रूप जिसमे प्रारम्भ से लेकर अंत तक कहानी की सभी घटनाओं व पात्रों का वर्णन • संवाद, परिवेश और पात्रों के माध्यम से कहानी का विस्तार	

			8	(क) ● कविता की रचना का सबसे पहला और महत्त्वपूर्ण उपकरण—शब्द क्यों :- ● शब्द कविता का मुख्य घटक ● शब्दों के मेल से ही कविता का निर्माण ● शब्दों से ही भावनाओं एवं संवेदनाओं की अभिव्यक्ति (ख) ● मंचन नाटक का अनिवार्य अंग ● घटनाओं, स्थितियों व दृश्यों का चयन एवं क्रम की समझ ● रचना के साथ मंचन की समझ का होना (ग) ● कहानी मे वास्तविकता का पुट लाने के लिए ● कहानी को रोचक एवं प्रामाणिक बनाने के लिए	
9	9	9		(क) इंटरनेट पर समाचारों, सूचनाओं , घटनाओं तथा मनोरंजन से संबन्धित खबरों का प्रकाशन एवं आदान प्रदान इंटरनेट पत्रकारिता है। ● इंटरनेट सबसे लोकप्रिय माध्यम ● त्वरित गति से पहुँच ● समाचार पत्र एवं पत्रिकाएँ इंटरनेट पर उपलब्ध (ख) ● अखबार की आवाज़ ● तत्कालीन घटना, समस्या या मुद्दे पर अखबार की राय ● अखबार की विचारधारा, दृष्टिकोण तथा बौद्धिक्ता का संबंध (क) ● उलटा पिरामिड शैली का प्रयोग 19वीं सदी के मध्य से ● अमेरिका के गृह युद्ध के दौरान विकास ● तत्कालीन समय में तकनीकी कारणों से समाचार पहुंचाने में कठिनाई ● कथात्मक शैली के विकल्प के रूप मे उलटा पिरामिड शैली का विकास (ख) ● समाचार लेखन में वस्तुनिष्ठता और तथ्यों की शुद्धता पर जोर जबकि फीचर में कल्पनाशीलता, अनुभूति और भावनाओं पर बल	2 X 3 = 6

			9	• फीचर-लेखन की शैली—कथात्मक, समाचार लेखन की शैली—उलटा पिरामिड शैली • समाचार में छह ककारों का प्रयोग अनिवार्य, फीचर में ककारों की उपस्थिति अनिवार्य नहीं • समाचार लेखन की भाषा सरल, सहज एवं व्यवहारिक जबकि फीचर लेखन की भाषा रूपात्मक, आकर्षक और दिल को छूने वाली (क) • छह ककार क्या, कौन, कहाँ, कब, क्यों और कैसे (ख) हल्के फुल्के विषयों से लेकर गंभीर विषय और मुद्दे फीचर की विशेषताएँ :- • सरस और सहज भाषा • रोचकता • फोटो, रेखांकन, कार्टोग्राफ, ग्राफिक्स	
10	10	10		किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित : (क) • बूँद के समान व्यक्ति का अस्तित्व क्षणभंगुर • संसार से मुक्त होकर व्यक्ति की पहचान संभव • शक्ति के आलोक से व्यक्ति की पहचान (ख) • हर व्यक्ति का अपना यथार्थ, अपना दृष्टिकोण, अपना सत्य, अपनी एकाग्रता • जिधर पतंग उधर ही हिमालय – बच्चे की कल्पना, एकाग्रता (ग) मिट्टी के रस का अभिप्राय--- उर्वराशक्ति/संवेदनशीलता (क) देवसेना—मालवा के राजा बंधुवर्मा की बहन • हूणों से लड़ते हुए वीरगति को प्राप्त अपने भाई के सपनों को साकार करने के लिए देश सेवा का व्रत लेना (ख) मुक्त उत्तर—परीक्षार्थी के तर्क एवं अभिव्यक्ति के आधार पर मूल्यांकन (शोक संतप्त पिता के हृदय की वेदना का उद्गार)	2 x 2 = 4

			10	(ग) • व्यष्टि का समष्टि के साथ ही सार्थक होना • व्यक्ति का सामर्थ्य, शक्ति और गुण समाज के साथ ही सार्थक (क) • कवि द्वारा बच्चे से हिमालय से संबंधित प्रश्न पूछने पर पतंग की दिशा में हिमालय होने की बात करना • बच्चों की कल्पना ही उनकी दिशा और जीवन का सत्य (ख) • सृजन के लिए विध्वंस आवश्यक • रूढ़ियो के टूटने से ही मानवता का विकास • सृजन के लिए भावभूमि को तैयार करने मे अवरोधों को तोड़ना आवश्यक (ग) • तत्कालीन समाज मे प्रचलित अवधी और ब्रज भाषा का प्रयोग करना • साहित्यिक संस्कृत भाषा को आदर देना • छंदों, अलंकारों का सहज और सुरुचिपूर्ण प्रयोग • भावप्रधान भाषा-शैली	
11	**11**	**11**	**11**	किसी **एक** काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कवि—तुलसीदास कविता—पद संदर्भ+प्रसंग– 2 अंक व्याख्या – 3 अंक विशेष + भाषा – 1 अंक **अथवा** कवि—बनारस कविता— केदारनाथ सिंह संदर्भ+प्रसंग– 2 अंक व्याख्या – 3 अंक विशेष + भाषा – 1 अंक	**1 x6= 6**
12	**12**			किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित— (क) • बड़ी हवेली से बुलावा आना • गाँव-गाँव में डाकघर खुल जाना	**2 X 2 = 4**

- घर बैठे दूर दूर तक संदेश भेजने और पाने की सुविधा होना
- हरगोबिन को किसी गुप्त संदेश भेजने का अंदेशा होना
- ऐसा संदेश जिसका चाँद, सूरज और पक्षी तक को पता ना चलना

(ख)

- झेलम नदी पर, शहर के एक सिरे से दूसरे सिरे तक, सातवें पुल से अमीराकदल तक नावों मे शोभा यात्रा निकालना
- नदी के दोनों ओर हजारों-हज़ार कश्मीर-निवासियों द्वारा अदम्य उत्साह के साथ उनका स्वागत करना

(ग)

1983 में, जुलाई महीने के अंत में

- हराभरा, साफ सुथरा व आकर्षक गाँव
- गाँव के लोग अपने कार्यों मे मग्न एवं प्रसन्न
- प्रकृति और मनुष्य के बीच संवेदनात्मक संबंध
- पानी से भरे खेतों में धान की रोपाई होना
- नवागाँव में पचास हज़ार से अधिक आबादी व अट्ठारह छोटे छोटे गाँव होना

12

(क)

- भारत जीवन प्रेस से
- लेखक से किताबें छिपा कर रखना
- बेटे के पढ़ाई से भटक जाने व बिगड़ जाने के डर से

(ख)

- अंधविश्वासों के वशीभूत होकर कोई निर्णय ना लेना
- यथार्थवादी होकर फैसले लेना
- कल्पना की अपेक्षा प्रत्यक्ष में जीना

(ग)

- हरगोबिन—संवादिया
- संचार की आधुनिक, तत्कालिक व उन्नत व्यवस्था के कारण संवदिया का महत्त्व ना रहना (विद्यार्थियों के विचार एवं अभिव्यक्ति के आधार पर मूल्यांकन)

12

(क)

- छोटे-मोटे जानवरों से खेती की रक्षा का भरोसा दिलाना

				• हाथी द्वारा किसान को अपने विशाल शरीर और शक्ति का विश्वास दिलाना (ख) • अपनी प्राकृतिक सम्पदा और सौंदर्य के कारण सिंगरौली को बैकुंठ कहा जाना • हज़ारों वनवासी व किसानों के भरण-पोषण का स्थान • लालच के कारण मनुष्य का संवेदनहीन होना • खनिज सम्पदा से भरपूर, उर्वरा शक्ति से सम्पन्न सिंगरौली को विकास और औद्योगीकरण के नाम पर सरकारी ठेकेदारों और कारिंदों द्वारा निर्ममता से उजाड़ना (ग) • आरती के समय गंगा का अत्यंत रोचक और हृदयग्राही दृश्य • मनौती के दीये गंगा मे प्रवाहित करने वालों की भीड़ • यकायक हज़ारों दीयों का पंचमंजली नीलांजलि मे जल उठना • मंत्रोच्चारण के साथ वातावरण में आध्यात्मिक चेतना भर जाना • गंगा मैया की जयध्वनि से तट का गूंज उठना (अन्य उचित बिन्दु भी स्वीकार्य)	
13	**13**	**13**	**13**	गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या : पाठ— कुटज लेखक— हजारी प्रसाद द्विवेदी संदर्भ +प्रसंग – 2 अंक व्याख्या – 3 अंक विशेष + भाषा – 1 अंक पाठ— गांधी, नेहरु और यास्सेर अराफ़ात लेखक— भीष्म साहनी संदर्भ +प्रसंग – 2 अंक व्याख्या – 3 अंक विशेष + भाषा – 1 अंक पाठ— संवदिया लेखक— फणीश्वर नाथ रेणु संदर्भ +प्रसंग – 2 अंक व्याख्या – 3 अंक विशेष + भाषा – 1 अंक	**6**

14	**14**	**14**	**14**	किसी ***एक*** प्रश्न का उत्तर अपेक्षित : (क) • अमेरिका की भौतिकवादी व खाऊ उजाड़ू संस्कृति • भौतिक सुखों की होड़ में पर्यावरण का अत्यधिक दोहन करना • अमेरिका का अपने सुखों से समझौता करने को बिलकुल भी तैयार ना होना **अथवा** (ख) बिसनाथ के पड़ोस में रहने वाली दाई जिसने बिसनाथ को बचपन मे दूध पिलाया था। • साफ़ सुजनी पर कसेरिन दाई के साथ लेटकर बिसनाथ द्वारा चाँद को देखना • चाँद को छूने, उसे खाने और उससे बातें करने का बिसनाथ को आभास होना (क) • उम्र भर की कमाई की पोटली सूरदास के जीवन की सम्पूर्ण अभिलाषाओं का आधार • पोटली सूरदास की यातनाओं और रचनाओं का निष्कर्ष • झोंपड़ी मे आग लग जाना और रुपयों की पोटली के गायब हो जाने से उसकी आशाओं का धरा रह जाना **अथवा** (ख) • दिल्ली के दिलशाद गार्डन के डियर पार्क मे बिसनाथ द्वारा एक बत्तख को अंडे सेते हुए देखना • अंडों को अपने पंखों के नीचे छिपा कर कौए आदि से उनकी रक्षा करना • अंडों के इधर उधर छिटक जाने पर अपनी चोंच से बड़ी सावधानी पूर्वक कोमलता से अंडों को अपने पंखों मे समेट लेना हर (प्राणिमात्र) माँ का अपनी संतान को प्राणों से भी अधिक प्रेम करना—यह व्यवहार बड़े होकर समझना (क) • जगधर का भैरों को सूरदास की पोटली लौटाने की सलाह नेकनीयती से ना देकर ईर्ष्यावश देना • भैरों के हाथ बैठे बिठाए इतने रुपयों का लग जाना जगधर के लिए असह्य	**1 x 3= 3**

				• यदि भैरों उसे आधे रुपए दे देता तो जगधर को ईर्ष्या ना होती **अथवा** (ख) • वातावरण में कार्बनडाइऑक्साइड गैसों का बढ़ना • औद्योगिक उत्सर्जन से पृथ्वी के तापमान मे वृद्धि • पेड़ों की कटाई और प्रकृति से छेड़छाड़ • विकसित देशों का अपनी जीवन-शैली से समझौता ना करना • विकासशील देशों द्वारा विकसित देशों की अंधाधुंध नकल कर उनकी जीवन-शैली को अपना कर वातावरण को क्षति पहुंचाना	